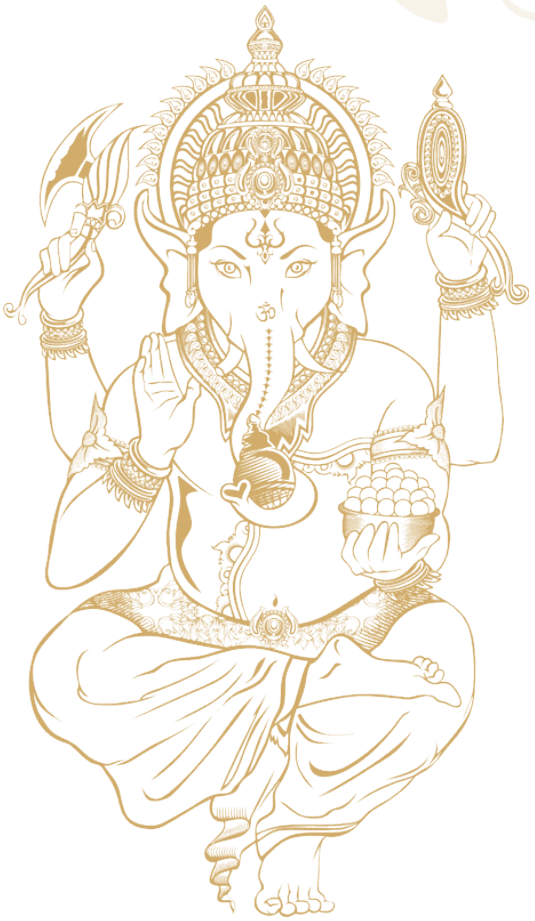

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 25/11/1971 | जन्म तिथि | 25/02/1969 |
| गुरुवार | दिन | मंगलवार |
| घंटे 15:57:00 | जन्म समय | 09:52:00 घंटे |
| घटी 22:33:11 | जन्म समय(घटी) | 07:28:54 घटी |
| India | देश | India |
| Theog | स्थान | Theog |
| 31:07:00 उत्तर | अक्षांश | 31:07:00 उत्तर |
| 77:21:00 पूर्व | रेखांश | 77:21:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:20:36 | स्थानिक संस्कार | -00:20:36 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:55:43 | सूर्योदय | 06:52:26 |
| 17:18:58 | सूर्यास्त | 18:15:25 |
| 23:28:05 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:25:35 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंगल 0वर्ष 5मा 20दि | | 15:46:28 | मेष | लग्न | मेष | 15:40:42 | मंगल 6वर्ष 9मा 0दि | |
| बुध | | 09:01:38 | वृश्चि | सूर्य | कुंभ | 12:58:17 | शनि | |
| 16/05/2025 | | 05:45:57 | कुंभ | चंद्र | वृष | 23:48:27 | 26/11/2009 | |
| 16/05/2042 | | 17:07:30 | कुंभ | मंगल | वृश्चि | 06:32:11 | 26/11/2028 | |
| बुध | 13/10/2027 | 00:50:07 | धनु | बुध | मक | 16:18:42 | शनि | 29/11/2012 |
| केतु | 09/10/2028 | 20:38:48 | वृश्चि | गुरु व | कन्या | 10:41:52 | बुध | 09/08/2015 |
| शुक्र | 10/08/2031 | 01:57:26 | धनु | शुक्र | मीन | 25:40:59 | केतु | 17/09/2016 |
| सूर्य | 15/06/2032 | 09:36:11 | वृष व | शनि | मीन | 28:54:56 | शुक्र | 18/11/2019 |
| चन्द्र | 15/11/2033 | 14:02:09 | मक | राहु व | मीन | 07:07:12 | सूर्य | 30/10/2020 |
| मंगल | 12/11/2034 | 14:02:09 | कर्क | केतु व | कन्या | 07:07:12 | चन्द्र | 31/05/2022 |
| राहु | 31/05/2037 | 23:19:05 | कन्या | हर्ष व | कन्या | 09:36:15 | मंगल | 10/07/2023 |
| गुरु | 06/09/2039 | 09:19:18 | वृश्चि | नेप | वृश्चि | 05:16:48 | राहु | 16/05/2026 |
| शनि | 16/05/2042 | 08:07:44 | कन्या | प्लूटो व | कन्या | 00:49:09 | गुरु | 26/11/2028 |

## लग्न-चलित

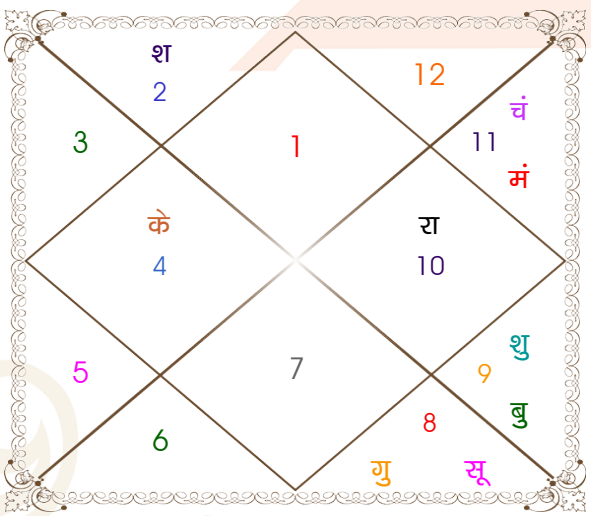


## लग्न-चलित

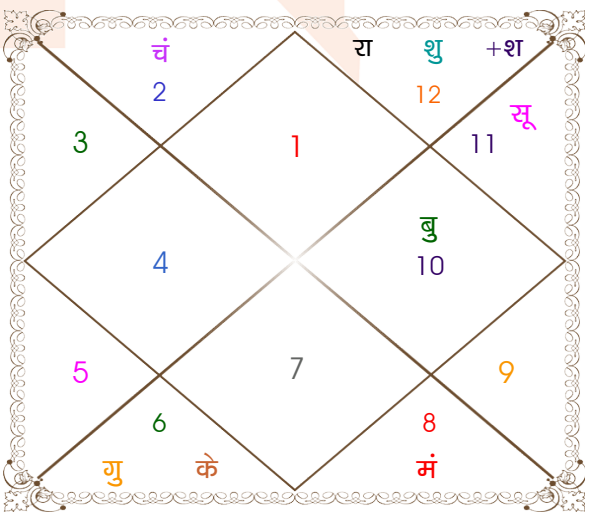

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | वैश्य | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | जन्म | जन्म | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | सिंह | सर्प | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | शुक्र | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | देव | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | कुम्भ | वृष | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 19.00 | | |

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र मृगशिरा है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।